

पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र. 108-भोपाल-09-11.

# TENET TENET

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 7]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 193

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **अशोकनगर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, अशोकनगर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31 5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्हारा प्रकाणित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ashoknagar the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Ashoknagar may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# HERNIGHT VIBILIE

### ( असाधारण ) धिकार से प्रकाशित

क्रमांक 8ी

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **अनूपपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, अनूपपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Anuppur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Anuppur may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

the tribent of the control of the majority of the factor of the control of the co

the by the first of the agency of the agency areas of a stable agency for a suggest



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108–भोपाल–09–11.

# TEUPIGUI VISUEI

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 9]

भोपाल, सोमवार, दिनांकं 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

### आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **अलीराजपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, अलीराजपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेज़ी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

And, whereas, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Alirajpur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Alirajpur may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## सध्यप्रहिशा राजपद्वा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 10]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, भोपाल की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, भोपाल यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 30th September 2009

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Bhopal the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act. 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Bhopal** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## स्ख्याह्या राजपहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 11]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **भिण्ड** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, भिण्ड यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Bhind the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Bhind** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राजपहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 12]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010.

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **बालाघाट** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती हैं कि जिला मिजिस्ट्रेट, **बालाघाट** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Balaghat the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Balaghat** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# स्थाद्या याजपहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 13]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **बैतूल** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, **बैतूल** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Betul the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980) the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Betul** may during the period from 1st January 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेश राजपहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 14]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **बड़वानी** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, **बड़वानी** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

#### भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Barwani the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Barwani may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# TEURIST VISIES

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 15]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **बुरहानपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, **बुरहानपुर** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Burhanpur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Burhanpur** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

and the contract of the contra



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# TENERIST TOUR

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 16]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **छतरपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, **छतरपुर** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Chhatarpur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Chhatarpur may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# TEURSUN VIBUE

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 17]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **छिंदवाड़ा** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, **छिंदवाड़ा** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Chhindwara the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Chhindwara** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

lakkamen etkologis perekliki osologis kilologis etkistologista prolitik istologist ketelis kilologis tit. Di oga elementi i gjalogis ekologis politik kologis kilologist ketelis likus etter kologis med terme.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108–भोपाल–09–11.

# मध्यप्रदेश राजपद्या

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 18]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **दितया** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है:

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, दितिया यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग \*दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

> मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Datia** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Datia** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

医肾髓 医乳球菌素 医自动性 医二氯胺 医电影 医囊膜 医多种性病 电流

politica de longo la lappe describigida del recibilidad escribilità de la segui de la compania de la compania

Charles and the control of the property

her profigur send



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजपहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 19 ]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **दमोह** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, दमोह यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Damoh the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Damoh** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजपद्रा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 20]

भोपाल, सोमवार, दिनांक ४ जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कित्पय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **देवास** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, देवास यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Dewas** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Dewas** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजएहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 21]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **धार** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, धार यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Dhar** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Dhar** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

grant of a community of the transfer of the community of the



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108–भोपाल-09–11.

# मध्यप्रदेशा राजपत्र

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 22]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदियक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **डिण्डोरी** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 को सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती हैं कि जिला मिजस्ट्रेट, डिण्डौरी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Dindori** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Dindori** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

er delige i se eglegi, se den den grande lette e egen eller et e



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजपद्वा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 23]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल आदेश भोपाल, दिनांक ४ जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **गुना** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, गुना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Guna** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Guna may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राजपञ्च

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 24]

भोपाल, सोमवार, दिनांक ४ जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रितकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रितकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **ग्वालियर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक हैं;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, रवालियर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Gwalior the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Gwalior** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010, if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# स्थाप्रदेश राजपहा

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 25]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **होशंगाबाद** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, होशंगाबाद यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Hoshangabad** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Hoshangabad** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजपहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 26 र

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **हरदा** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, **हरदा** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Harda the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Harda** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108-भोपाल–09–11.

# मध्यप्रदेश राजपहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 27]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010--पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट हैं कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **जबलपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, जबलपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Jabalpur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Jabalpur** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# स्थानुश राजपहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 28]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **झाबुआ** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, **झाबुआ** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Jhabua** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Jhabua** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सहराष्ट्रिशा राजपद्वा

# (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 29]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

## आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदियक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **खण्डवा** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, खण्डवा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Khandwa** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Khandwa** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राजपद्य

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 30]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **खरगौन** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, खरगौन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालावधि के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

And, whereas, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Khargone the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE. in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Khargone** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# HERRICAL SIER

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 31]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ<sup>े</sup>भवन, भोपाल

## आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **कटनी** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, कटनी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

## भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Katni the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Katni** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# HERRIGUE VIGILEI

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 32 ]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है:

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **मंदसौर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, मंदसौर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-**31**-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Mandsaur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Mandsaur may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108–भोपाल-09–11.

# TELICAL APLE

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 33 ]

भोंपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **मुरैना** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, **मुरैना** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Morena** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Morena** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेशा राजापहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 34]

भोपाल, सोमवार, दिनांक ४ जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **मण्डला** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है:

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, मण्डला यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरीं 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Mandla the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Mandla may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेश राजपद्य

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 35]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदियक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **नरसिंहपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, नरसिंहपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Narsinghpur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Narsinghpur may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदिशा राजपद्रा

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 36]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **नीमच** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, नीमच यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate. Neemuch the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Neemuch may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राजपद्या

# (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 37]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **पन्ना** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, पन्ना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) हारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

. भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Panna** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Panna** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.–108-भोपाल-09–11.

# मध्यप्रदेशा राजापत्र

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 38]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

## आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है:

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **राजगढ़** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, राजगढ़ यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Rajgarh the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Rajgarh** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

and the first of the second of



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# एडिएडिश राजपहा

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 39]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

## आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डांलने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **रायसेन** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, रायसेन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

## भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND. WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Raisen the State Government is satisfied that it is necessary so to do:

Now, THERETORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Raisen may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी, क्रमांक भोपाल डिवीजन .म. प्र. 108-भोपाल-09-11.

# यहियाप्रदिशा याजणिश

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 40ी

भोपाल, सोमवार, दिनांक ४ जनवरी 2010--पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक ४ जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकृल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकृल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **रतलाम** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतदद्वारा, यह निर्देश देती हैं कि जिला मिजस्ट्रेट, रतलाम यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

> मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5 1998-सी 1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5 1998 सी-1, भाषाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

## Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ratlam the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Ratlam** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

Is now take the by a polyment of the first principal

The walk of the energy of the arterious lefters became to be the long of the excess



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राजपत्र

# (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 41]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

## आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **रीवा** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, रीवा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate. Rewa the State Government is satisfied that it is necessary so to do:

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Rewa may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

paramenta de la facilità del proposa de la facilità de la fille de la facilità de la facilità de la facilità d La facilità de la fa



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजापत्रा

# ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 42 ]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

### आदेश

भोषाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनायें रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **सीहोर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, सीहोर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ 31-5-1998 सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sehore the State Government is satisfied that it is necessary so to do:

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Sehore** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेश राजपहा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 43]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सागर की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, सागर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sagar the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Sagar may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# मध्यप्रदेश राष्ट्रा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 44]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

ं गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

### आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कतिपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकृल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकृल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रिय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, सतना की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, सतना यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिसांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

### भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Satna the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Satna** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेशा राजापत्रा

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 45]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

### आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **सीधी** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है:

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, सीधी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Sidhi the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Sidhi may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सुध्याद्या याजपद्या

### (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 46]

भोपाल, सोमवार, दिनांक ४ जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **सिंगरौली** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सिंगरौली यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Singrauli the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Singrauli** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेश राजपह

## ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 47]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **शहडोल** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, शहडोल यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Shahdol the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Shahdol** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेश राजएहा

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 48]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **शाजापुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक हैं;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, शाजापुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता हैं.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Shajapur the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Shajapur** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.

By order and in the name of the Governor of Madhya Pradesh, VIJAY KATARIA, Secy.

医水水油 医成体 化氯化物 医骨髓 医人名伊朗克斯 医牙髓管



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल 09-11.

## मध्यप्रदेशा राजपद्या

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 49]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, शिवपुरी की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, शिवपुरी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Shivpuri the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Shivpuri** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेशा राजपहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 50]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14. शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5 1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है:

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **सिवनी** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, सिवनी यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Seoni the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Seoni may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेशा राजपर्रा

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 51]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **श्योपुर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मजिस्ट्रेट, श्र्योपुर यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Sheopur** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Sheopur** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदिशा राजापद्या

### (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 52]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

#### आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **टीकमगढ़** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, टीकमगढ़ यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

### भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Tikamgarh** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Tikamgarh** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेश राजपहा

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 53

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **उज्जैन** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, उज्जैन यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Ujain the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Ujjain may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेशा राजपत्र

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 54]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **उमरिया** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, **उमिरया** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Umaria the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Umaria may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

# सध्यप्रदेश राजपत्र

### ( असाधारण ) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 55]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010—पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ. 31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **इंदौर** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक हैं;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजिस्ट्रेट, **इंदौर** यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तियों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ. 31 5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ. 31-5-1998 सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतदृद्वारा प्रकाशित किया जाता है.

### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—WHEREAS, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, **Indore** the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, **Indore** may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.



पंजी. क्रमांक भोपाल डिवीजन म. प्र.-108-भोपाल-09-11.

## मध्यप्रदेशा राजएहा

## (असाधारण) प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 56]

भोपाल, सोमवार, दिनांक 4 जनवरी 2010-पौष 14, शक 1931

गृह विभाग (सी-अनुभाग) मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल

आदेश

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—चूंकि, राज्य शासन के पास ऐसी रिपोर्ट है कि कितपय तत्व साम्प्रदायिक मेल-मिलाप को संकट में डालने के लिये लोक व्यवस्था बनाये रखने पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने एवं राज्य की सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले कोई कार्य करने के लिये सिक्रय हो जाने की संभावना है;

और, चूंकि, जिला मजिस्ट्रेट, **विदिशा** की अधिकारिता की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों में विद्यमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा करना आवश्यक है;

अतएव, राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम, 1980 (1980 का सं. 65) की धारा 3 की उपधारा (3) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शिक्तयों को प्रयोग में लाते हुए, राज्य सरकार, एतद्द्वारा, यह निर्देश देती है कि जिला मिजस्ट्रेट, विदिशा यदि उनका उक्त धारा की उपधारा (2) में उपबंधित रूप से समाधान हो जाता है तो उक्त धारा 3 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग दिनांक 1 जनवरी 2010 से 31 मार्च 2010 की कालाविध के दौरान कर सकेंगे.

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार, विजय कटारिया, सचिव.

भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010

पृ. क्र. एफ-31-5-1998-सी-1.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में, इस विभाग के आदेश क्र. एफ-31-5-1998-सी-1, भोपाल, दिनांक 4 जनवरी 2010 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

#### Bhopal, the 4th January 2010

F. No. 31-5-1998-C-1.—Whereas, there are reports with the State Government that certain elements are active and are likely to be active to threaten the communal harmony and commit any act prejudicial to the maintenance of public order and to commit acts prejudicial to the security of the State;

AND, WHEREAS, having regard to the circumstances prevailing in the areas within the limits of jurisdiction of the District Magistrate, Vidisha the State Government is satisfied that it is necessary so to do;

Now, THEREFORE, in exercise of the powers conferred by the proviso to the sub-section (3) of Section 3 of the National Security Act, 1980 (No. 65 of 1980), the State Government hereby directs that the District Magistrate, Vidisha may during the period from 1st January, 2010 to 31st March 2010 if satisfied, as provided in sub-section (2) of the said Section, exercise the powers conferred by sub-section (2) of the said Section 3.